मारजिुआना (Marijuana) नरि्मति दवाओं का अध्ययन

चर्चा में क्यों?

भारत के तीन प्रमुख वज्ञािन समर्पति संस्थान - वैज्ञानकि और औद्योगकि अनुसंधान परषिद (CSIR), भारतीय चकित्सा अनुसंधान परषिद (ICMR) और बायोटेक्नोलॉजी वभािग (DBT) हर्बल दवाओं में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लयि एक साथ मलिकर काम कर रहे हैं, जनिमें मारजिुआना से नरि्मति नई दवाएँ भी शामलि हैं।

महत्त्वपूर्ण तथ्य

- इस तरह के पहले अध्ययनों में CSIR और इंडयिन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रेटवि मेडसिनि (IIIM) तथा टाटा मेमोरयिल सेंटर (TMC), मुंबई के भी संयुक्त रूप से शामलि होने की संभावना है।
- शोधकर्त्ताओं द्वारा जम्मू के CSIR-IIIM परसिर में उगाए जाने वाले मारजिुआना से उम्मीद है कि यह स्तन कैंसर, सकिल सेल एनीमयिा के साथ-साथ "बायो-समकक्ष" के उपचार में समान रूप से प्रभावी हो सकता है।
- उल्लेखनीय है कि मारजिुआना से नरि्मति दवाएँ पहले से ही संयुक्त राज्य खाद्य एवं औषधि प्रशासन (US FDA) द्वारा अनुमोदति हैं।
- मारजिुआना को औपचारकि रूप से वाणज्यिकि खेती हेतु अवैध मान जाता है, हालाँकि यह देश के कई हस्सिों में खरपतवार के रूप में अक्सर देखने को मलि जाता है।

मारजिुआना (Marijuana/Cannabis)

- मारजिुआना को कई देशों में नशे के रूप में प्रयोग कयिा जाता है और यही कारण है कि यह कई देशों में प्रतबिंधति है।
- मारजिुआना को कैनबसि, गांजा और भांग के नामों से भी पुकारा जाता है।
- इसका उपयोग कीमोथेरेपी के वक्त मतली और उल्टी कम करने, एचआईवी / एड्स के रोगयिों में भूख सुधार और माँसपेशयिों की ऐंठन को दूर करने हेतु भी कयिा जाता है।

- उत्तराखंड, जम्मू और इसी महीने उत्तर प्रदेश ने भी चकित्सा अनुसंधान के लयि इस पौधे की प्रतबिंधति खेती को पुनः अनुमति प्रदान की है।
- मारजिुआना की चकित्सिकीय क्षमता के वषिय में अध्ययन से जड़ी बूटयिों और पौधों से प्राप्त नई दवाओं को बनाने के लयि यह एक बड़ा सरकारी प्रयास है जसिका वर्णन आयुर्वेद और अन्य पारंपरकि दवा नरि्माण प्रणालयिों में कयिा गया है।

अध्ययन में शामलि प्रमुख संस्थानों के वषिय में

वैज्ञानकि और औद्योगकि अनुसंधान परषिद (CSIR)

- वज्ञािन एवं प्रौद्योगकिी के ववििध क्षेत्रों में अपने अग्रणी अनुसंधान एवं वकिास ज्ञानाधार के लयि ज्ञात यह एक समसामयकि अनुसंधान एवं वकिास संगठन है।
- सीएसआईआर रेडयिो और अंतरक्षि भौतकिी, महासागर वज्ञािन, भूभौतकिी, रसायन, औषध, जीनोमकिी, जैव-प्रौद्योगकिी और नैनो-प्रौद्योगकिी से लेकर खनन, वैमानकिी उपकरण, पर्यावरणीय इंजीनयिरगि तथा सूचना प्रौद्योगकिी तक वज्ञािन एवं प्रौद्योगकिी के व्यापक वषियों व क्षेत्रों में कार्य कर रहा है।

भारतीय चकित्सा अनुसंधान परषिद (ICMR)

- ICMR जैव चकित्सा अनुसंधान के समन्वय और प्रचार के लयि दुनयिा के सबसे पुराने चकित्सा अनुसंधान नकिायों में से एक है जसिका मुख्यालय नई दल्लिी में है।
- इसे भारत सरकार के स्वास्थ्य अनुसंधान वभािग द्वारा स्वास्थ्य और परवाির कल्याण मंत्रालय के माध्यम से वत्तिपोषति कयिा जाता है।

बायोटेक्नोलॉजी वभािग (DBT)

- DBT वज्ञािन और प्रौद्योगकिी मंत्रालय के तहत एक भारतीय सरकारी वभािग एवं नोडल एजेंसी है जो अनुसंधान वज्ञािन और जीवन वज्ञािन में

इसके अनुप्रयोगों का समर्थन करता है तथा देश में जैव प्रौद्योगिकी के विकास और उपयोग को गति को बढ़ावा देता है।

- इसकी स्थापना वर्ष 1986 में की गई थी।

स्रोत द हिंदू , इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/study-of-marijuana-derived-drugs